# सप्तदश

# बिहार विधान सभा

## चतुर्दश सत्र

## अल्पसूचित प्रश्न

### वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 27 फाल्गुन, 1946 (श०)
18 मार्च, 2025 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 03

| | | | |
|---|---|---|---|
| (1) शिक्षा विभाग | .. | .. | 01 |
| (2) समाज कल्याण विभाग | .. | .. | 01 |
| (3) कला, संस्कृति एवं युवा विभाग | .. | .. | 01 |
| | | कुल योग -- | 03 |

सरकारी योजनाओं का लाभ

'क'-7. श्री अरूण शंकर प्रसाद (खजौली)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 10 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित शीर्षक ''उदासीनता 22.5 लाख बच्चों का नहीं बना आधार'' को ध्यान में रखते हुये में क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में वर्ष 2024-25 में वर्ग एक से बारहवीं तक के एक करोड़ 80 लाख बच्चों का नामांकन हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि करीब एक करोड़ 58 लाख बच्चों का आधार नम्बर के साथ सरकारी विद्यालयों में नामांकन हुआ है तथा 22 लाख 50 हजार बच्चों का आधार कार्ड नहीं बन सका है जिस कारण इन बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त बच्चों का आधार कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ देने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

---

प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना

10. श्री विजय कुमार खेमका (पूर्णियाँ)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 23 जनवरी, 2025 को प्रकाशित शीर्षक ''कलाकारों के लिये राज्य में प्रशिक्षण केन्द्र खुले'' के आलोक में क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिले सहित पूरे राज्य में रंगमंच एवं अन्य कला विद्या से जुड़े कलाकारों का एक लम्बा इतिहास रहा है, परंतु राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप एक भी प्रशिक्षण केन्द्र नहीं रहने तथा चिकित्सा हेतु चिकित्सा बीमा व पेंशन की सुविधा नहीं होने के कारण यहाँ के कलाकारों को कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार कलाकारों के हित में राज्य में कबतक एक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना करते हुये उनके लिये चिकित्सा बीमा एवं पेंशन लागू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

---

शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्ति

11. श्री अरूण शंकर प्रसाद (खजौली)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 15 फरवरी, 2025 को प्रकाशित शीर्षक ''एक तिहाई शिक्षकेतर कर्मियों के भरोसे विश्वविद्यालय और महाविद्यालय'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में शिक्षकेतर कर्मियों की कुल स्वीकृत पद 16000 के विरुद्ध मात्र 5700 कर्मी ही कार्यरत हैं तथा तेज गति से कर्मियों की सेवानिवृत्ति भी हो रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि शिक्षकेतर कर्मियों के कमी के कारण कार्यालयों में समय से कार्यों के निष्पादन में काफी समस्या आ रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक रिक्त पदों पर शिक्षकेतर कर्मियों की नियुक्ति करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

---

नोट--''क''-दिनांक 11 मार्च, 2025 को आसन से स्थगित प्रश्न।

---

पटना :
दिनांक 18 मार्च, 2025 (ई0) ।

ख्याति सिंह,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0, 93(एल0ए0), 2024-25-डी0टी0पी0-600

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
2025